श्री विष्णु जी

ओ३म् जय जगदीश हरे, स्वामी जय जगदीश हरे।
भक्त जनों के संकट, क्षण में दूर करे॥
जो ध्यावे फल पावे, दुख विनसे मन का।स्वामी...
सुख सम्पत्ति घर आवे, कष्ट मिटे तन का॥ ओ३म्...
मात-पिता तुम मेरे, शरण गहूँ मैं किसकी।स्वामी...
तुम बिन और न दूजा आस करूं मैं जिसकी॥ ओ३म्...
तुम पूरण परमात्मा तुम अन्तर्यामी।स्वामी...
पारब्रह्म परमेश्वर तुम सब के स्वामी॥ ओ३म्...
तुम करुणा के सागर, तुम पालन कर्ता।स्वामी...
मैं मूरख खल कामी, कृपा करो भर्ता॥ ओ३म्...
तुम हो एक अगोचर, सबके प्राणपति।स्वामी...
किस विधि मिलूं दयामय, तुमको मैं कुमति॥ ओ३म्...
दीनबन्धु दुःखहर्ता तुम रक्षक मेरे।स्वामी...
करुणा हस्त उठाओ, द्वार पड़ा तेरे॥ ओ३म्...
विषय विकार मिटाओ, पाप हरो देवा।स्वामी...
श्रद्धा भक्ति बढ़ाओ सन्तन की सेवा॥ ओ३म्...
श्री जगदीश जी की आरती, जो कोई नर गावे।स्वामी...
कहत शिवानंद स्वामी, सुख संपत्ति पावे॥ ओ३म्...

॥ श्री विष्णु स्तुति ॥

शान्ताकारं भुजगशयनं पद्मनाभं सुरेशं, विश्वधारं गगनसदृशं मेघवर्णं शुभाङ्गम्।
लक्ष्मीकान्तं कमलनयनं योगिभिर्ध्यानगम्यं, वन्दे विष्णु भवभयहरं सर्वलोकैकनाथम्॥

Aartee Shree Vishnu jee kee

Om jai jagadeesha hare, Swaamee jai jagadeesha here,
Bhakta janon ke sankata Kshana men doora kare.
Jo dhyaave phala paave, Dukha binase mana kaa, *swaamee....*
Sukha sampati ghara aave, Kashta mite tana kaa. *om jai....*
Maata-pitaa tuma mere, Sharana gahoon main kisakee, *swaamee....*
Tuma bina aura na doojaa Aasa karoon main jisakee. *om jai....*
Tuma poorana paramaatmaa Tuma antaryaamee, *swaamee....*
Paarabrahma parameshvara Tuma saba ke swaamee. *om jai....*
Tuma karunaa ke saagara Tuma paalana kartaa, *swaamee....*
Main moorakha khala kaamee, Kripaa karo bhartaa. *om jai....*
Tuma ho eka agochara sabake praanapati, *swaamee....*
Kisha vidha miloon dayaamaya Tumako main kumati. *om jai....*
Deena bandhu dukhahartaa Tuma rakshaka mere, *swaamee....*
Apane haatha uthaao Dwaara paraa main tere. *om jai....*
Vishaya vikaara mitaao Paapa haro devaa, *swaamee....*
Shraddhaa bhakti barhaao Santana kee sevaa. *om jai....*
Tana mana dhana jo kucha hai, Saba hee hai teraa, *swaamee....*
Teraa tujhako arpana Kyaa laage meraa. *om jai....*